बिहार-झारखंड
संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका
DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। मंगलवार, 14 जनवरी 2025 सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

संक्षिप्त खबर

राष्ट्रपति व लोकसभा अध्यक्ष ने लोहड़ी की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने लोहड़ी के अलावा मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू (14 जनवरी) की भी शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने रविवार शाम जारी अपने संदेश में कहा, "लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू त्योहारों के पावन अवसर पर मैं देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। ये त्योहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं और अपने साथ उत्साह और उल्लास लेकर आते हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रूपों में मनाए जाने वाले ये त्यौहार प्रकृति के साथ हमारे सामंजस्यपूर्ण संबंधों को दर्शाते हैं। लोग इन अवसरों पर पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं और दान-पुण्य भी करते हैं।" उन्होंने कहा, " इन त्योहारों के माध्यम से, जो फसलों से भी जुड़े हैं, हम उन मेहनती किसानों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जो देश को भोजन उपलब्ध कराने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। मेरी कामना है कि ये त्योहार सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लेकर आएं और हम भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए मिलकर और अधिक उत्साह के साथ काम करें।" लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने भी जारी संदेश में कहा, "सभी देशवासियों को लोहड़ी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। फसल कटाई का यह त्यौहार प्रकृति की कृपा और किसानों की कड़ी मेहनत एवं समर्पण का उत्सव है। मैं कामना करता हूं कि लोहड़ी का यह पर्व हमारे घरों में उत्सव, खुशियां और समृद्धि लाए और हमारे राष्ट्र में विकास और प्रगति हो।

खुदरा महंगाई चार महीने के निचले स्तर पर,आंकड़े जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में खुदरा महंगाई दर दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई। यह दर नवंबर में 5.48 फीसदी थी। यह गिरावट खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण आई है। सरकार ने सोमवार को इसको लेकर आंकड़े जारी किए। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के तहत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य महंगाई 8.39 फीसदी रही। जबकि नवंबर में यह 9.04 फीसदी और दिसंबर 2023 में 9.53 फीसदी थी। एनएसओ के मुताबिक, दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) और खाद्य महंगाई दोनों पिछले चार महीनों के सबसे निचले स्तर पर थे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने खाद्य कीमतों पर दबाव के कारण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कुल मुद्रास्फीति के उच्चस्तर पर बने रहने की भी आशंका जताई थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित कुल मुद्रास्फीति जुलाई-अगस्त के दौरान औसतन 3.6 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 5.5 फीसदी और अक्टूबर, 2024 में 6.2 फीसदी रही थी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी आज करेंगी नामांकन

नई दिल्ली (एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्रीआज विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिर करेंगे। आम आदमी पार्टी ने उन्हें कालकाजी विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया है । वो इससे पहले मंदिर और गुरुद्वारा साहिब जाएंगी।आतिशी ने सुबह एक्स पर लिखा. आज अपना नामांकन भरने जा रही हूं। कालकाजी मंदिर जाऊंगी और कालका माई का आशीर्वाद लूंगी। फिर गिरी नगर गुरुद्वारे में अरदास कर नामांकन रैली की शुरुआत करूंगी। पिछले 5 साल में कालकाजी के मेरे परिवार से मुझे बहुत प्यार मिला है। मुझे भरोसा है कि उनका आशीर्वाद मुझ पर बना रहेगा। उल्लेखनीय है कि रविवार को आतिशी ने चुनाव लड़ने के लिए क्राउड फंडिंग कैंपेन की शुरूआत की थी। उन्होंने देशभर के लोगों से अपील कि थी कि वो सामने आएं और इस क्राउड फंडिंग कैंपेन में सपोर्ट करें। उन्होंने क्राउड फंडिंग कैंपेन का लिंक atishi.aamaadmiparty.org भी जारी किया था।

महाकुंभ: पहले दिन 1.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

योगी ने मेला प्रबंधन को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को महाकुंभ मेले की शुरुआत पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानवता के महापर्व 'महाकुंभ 2025' में 'पौष पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर संगम में स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई। योगी ने एक्स पर लिखा कि प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। योगी ने आगे लिखा कि प्रथम स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने में सहभागी महाकुम्भ मेला प्रशासन, प्रयागराज प्रशासन, उत्तर प्रदेश पुलिस, नगर निगम प्रयागराज, स्वच्छाग्रहियों, गंगा सेवा दूतों, कुम्भ सहायकों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, विभिन्न

स्वयंसेवी संगठनों तथा मीडिया जगत के बंधुओं सहित महाकुम्भ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद! पुण्य फलें, महाकुम्भ चलें। कुछ तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि यह अभिनंदन है आस्था का, वंदन है विश्वास का, जयघोष है सनातन का, उद्घोष है महाकुम्भ का... हर-हर गंगे! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ₹भारतीय मूल्यों और संस्कृति को धारण करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक विशेष दिवस महाकुंभ 2025 प्रयागराज में प्रारंभ हो चुका है, जहां असंख्य लोग आस्था, समर्पण और संस्कृति के एक पवित्र संगम में एकत्र हो रहे हैं। महाकुंभ भारत की सनातन विरासत का प्रतीक है। उन्होंने लिखा, ₹मैं असंख्य लोगों के वहां आकर डुबकी लगाते और संतों का आशीर्वाद लेते देखकर अभिभूत हूं। सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के शानदार प्रवास की कामना करता हूं। मेला क्षेत्र में स्नान के बाद लोगों की भीड़ अखाड़ों में नागा साधुओं का आशीर्वाद लेती हुई दिख रही है। वहीं, सेक्टर-16 में स्थित किन्नर अखाड़ा में भी भारी संख्या में लोग किन्नर संतों का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं। राजस्थान के बालोत्रा जिले से 11 लोगों की टोली लेकर किन्नर अखाड़ा पहुंचे दिलीप कुमार ने बताया कि वह पहली बार इस मेले में आए हैं और किन्नर अखाड़ा का बोर्ड देखकर अपने साथियों के साथ यहां पहुंचे हैं।

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान महाकुंभ मेले में तीन दिन बिताएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को कहा कि वह हर 12 साल में आयोजित होने वाले 'महाकुंभ' में शामिल होने के लिए प्रयागराज जाएंगे और इस भव्य धार्मिक समागम में तीन दिन बिताएंगे। खान ने उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा की ओर से आयोजित एक समारोह के इतर पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। देश-दुनिया के लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए खान ने बताया कि वह मंगलवार को राजभवन में 'दही चूड़ा' भोज का आयोजन करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी महाकुंभ मेले में शामिल होने के लिए प्रयागराज जाने की कोई योजना है, राज्यपाल ने कहा, ₹हां, मैं वहां जाऊंगा। मुझे तीन धार्मिक नेताओं ने आमंत्रित किया है, जिनका मैं बहुत आदर करता हूं। मैं इस भव्य धार्मिक समागम में तीन दिन बिताऊंगा। जब पत्रकारों ने खान से बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा को लेकर जारी विवाद के बारे में सवाल पूछना चाहा, तो उन्होंने कहा, ₹यह उचित मौका नहीं है। अन्य मामलों पर किसी और दिन चर्चा करेंगे।

जमालपुर बाजार में जाम की समस्या कई वर्षों से बना हुआ है मकरजाल

मों साजिद/दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिला के अंतर्गत गोगरी जमालपुर बाजार में जाम समस्या से अब तक नहीं मिली है. निजात जानकरी के अनुसार लाइट चौक से लेकर बायपास पास जाम लगा रहता है. सड़क के दोनों किनारे सब्जी का ठेला सब्जी का टोकरी अतिक्रमित जगहों प फुटकर विक्रेताओं दुकान सजने से लगता है. जाम का एवं 1 किलोमीटर के अंदर तीन जगहों पर ई- रिक्शा स्टैंड बना हुआ है। ई-रिक्शा आवाजाही होता है। जबकि बड़े-अधिकारी का सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं। की जाम की समस्या से निजात दिलाया जाएगा कई महीनों

सब्जी से सजी जमालपुर बाजार

से वही जितने भी फुटकर विक्रेता है। दुकान लगाने का रजिस्ट्रेशन भी हुआ है। आए दिन ठेला वाला की मनमानी से कई बार तो झगड़ा भी होता है। थाने में आवेदन भी दिया गया है। मारपीट का उसके बावजूद प्रशासन नगर कार्यालय का अधिकारी ध्यान नहीं देते हैं। ट्रैफिक व्यवस्था भी बिल्कुल चरमराई गई है एक भी जगह होमगार्ड को तैनात नहीं किया गया है।

प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में मिली बेटी, दंपती ने युवक को पीटकर मार डाला

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। तीन दिन के भीतर गुलशन कुमार हत्याकांड का खुलासा हो गया है। पुलिस अधीक्षक उपेंद्र कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 जनवरी की सुबह गुलशन की लाश मिली थी। आरोपी करू मंडल ने गुलशन को अपनी बेटी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखकर लाठी से मार डाला था। पुलिस ने करू मंडल को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल लाठी भी बरामद कर ली है। पुलिस अधीक्षक उपेंद्र कुमार वर्मा ने

बताया कि मुख्य आरोपी करू मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है। करू मंडल ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। करू मंडल ने बताया कि उसने गुलशन को अपनी बेटी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा था। गुस्से में आकर उसने गुलशन के सिर पर लाठी से वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को छुपाने के लिए उसने उसे बहियार में फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले को सुलझाने के लिए एक विशेष टीम बनाई थी। इस टीम में एसडीपीओ बिपिन बिहारी, अमरपुर थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा, दरोगा राहुल कुमार सिंह, सतीश कुमार सिंह, विक्की कुमार, बांका की तकनीकी शाखा और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम लगातार मामले की जांच कर रही थी।तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद आरोपी तक पहुंचने में कामयाब रही।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला नवविवाहिता का शव

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। जिले के सुईया थाना क्षेत्र के ढकना गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है. यह घटना सोमवार दोपहर करीब तीन बजे की है, जब महिला का शव घर में फंदे से लटका हुआ पाया गया। मृतका की पहचान 20 वर्षीय शिंकी कुमारी के रूप में हुई, जो हीरालाल यादव की पत्नी थी। दो वर्ष पूर्व मृतका की शादी हुई थी। घटना की जानकारी मिलने पर सुईया थानाध्यक्ष विशाल कुमार और एमडी एजाज अहमद, अहमद सबा खान दल-बल के साथ

घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बांका भेज दिया। घटना के बाद मृतका के पति और सास घर से फरार हो गए, जबकि मृतका के भाई को फोन से सूचना दी गई। जब मृतका के मायके वाले घटनास्थल पर पहुंचे, तो वे शव देखकर हतप्रभ रह गए। पुलिस ने बताया कि मृतका के मायके वालों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और घटना की गहन जांच की जाएगी। पुलिस ने भागलपुर से फोरेंसिक एक्सपर्ट पवन प्रजापति को बुलाकर उनके मदद से शव का निरीक्षण किया और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल, इस मामले को लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के पहलू पर जांच चल रही है।

आदिवासी का पांच दिवसीय महापर्व सोहराय धूमधाम से किया शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। आनंदपुर थाना क्षेत्र के उत्तरी बारने पंचायत अंतर्गत मेहियासिमर आदिवासी बाहुल्य गांव में धूमधाम से सोहराय पर्व रविवार को मनाया गया। यह पर तीन दिनों से चल रहा है और इसकी समाप्ति पांचवें दिन मकर संक्रांति को समाप्त हो जाएगी। रविवार को पूरे विधि विधान के साथ पर्व की शुरुआत की गई। सोहराय पर्व में गांव के प्रधान के द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में चांदन के पूर्व प्रमुख बेचू यादव को आमंत्रित किया गया था। बेचू यादव ने अपने क्षेत्र के आदिवासी भाइयों को सम्मान देते हुए इस महापर्व में उपस्थित होकर सोहराय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व भाई बहन का प्रेम एवं प्राकृतिक संम्पदा , लखी पूजा से जुड़ा हुआ है। इसमें बड़ी बहन को विशेष भाई के द्वारा सम्मान के साथ प्रेम दर्शाते हैं।मेहियासिमर गांव के प्रधान छोटेलाल ने कहा कि दीपावली के वक्त जिस तरह लक्ष्मी पूजा होता है उसी तरह जनवरी के 5 तारीख से हम आदिवासी बाहुल्य

गांव में सोहराय पर्व प्रारंभ हो जाती है । इसे आदिवासी भाषा में मरांगदेय पूजा भी कहते हैं। इस पूजा में गाय बैल को चुम्माया जाता है। एवं बड़ी बहन बहनोई आगमन की पूर्व घर को साफ सफाई रौनकदार बनायी जाती है। धावा आदीवासी गांव में आज सोहराय पर्व मनाया जाता जा रहा है हेमलाल टुडू ने बताया कि यह पर प्राकृतिक पूजा के साथ गोधन, फसल व भाई बहन की प्रेम से जुड़ा पर्व है जिसे सोहराय पर्व कहते हैं। यह विभिन्न आदिवासी क्षेत्र में जनवरी माह तक भिन्न-भिन्न तारीखों में किया जाता है। इस सोहराय में गांव के प्रधान की महानता सबसे अधिक होती है। जो पहले पूजा स्थल पर जाकर विधिवत पूजा करने के बाद नृत्य करते हुए गांव तक लाया जाता है। फिर हर घर जाकर सभी गाय-बैलों को चुम्माया जाता है। एवं बड़ी बहन को नए वस्त्र देखकर सम्मानपूर्वक घर में बैठाकर घर के सभी सभी परिजन मिलकर उन्हें भोजन खिलाया जाता है। इस खुशी में सुबह से शाम,रात तक घर की गली में गांव के तमाम ग्रामीण बूढ़े बुजुर्ग नौजवान युवा गांव की बहनों महिलाओं के साथ ढोल के नगाड़े, झाल, के थाप पर नृत्य करते हैं। यू कहे आदिवासियों की यह पर्व लोक संस्कृति आई और परंपरा की पहचान सोहराय है। इस मौके पर मेहियासिमर के गांव के मुंशी सूरज मुर्मू, चिनुकू मुर्मू, शिवलाल मुर्मू शिवलाल, देवीलाल मुर्मू, बड़की बेसरा, सुनिता मरांडी, अनीता टुडू, सुरजमनी किस्कू, रोहित मुर्मू दिनेश मुर्मू रामलाल मुर्मू आदि सैकड़ो आदिवासीयों ने भाग लिया था।

पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का किया गया कार्य

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल बांका -2 के अंतर्गत चांदन प्रखंड में निर्माणाधीन नौवाडीह से नाड़ी जमदाहा पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य सोमवार को सहायक अभियंता शंकर प्रसाद यादव के द्वारा किया गया है। पथ में कालीकरण का कार्य कराया जा रहा है।

मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले दो दिवसीय झरना मेला का 14 जनवरी को विधायक करेंगे उद्घाटन

मेला की सभी तैयारी पूर्ण

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। बांका जिले के फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के सादपुर पंचायत अंतर्गत प्रकृति के गोद में अवस्थित सुप्रसिद्ध वनदेवी मंदिर झरनाकुंड के प्रांगण में मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले दो दिवसीय मेला का उद्घाटन स्थानीय विधायक मनोज यादव, एवं मेला समिति के सदस्यों द्वारा 14 जनवरी 2025 मंगलवार की दोपहर किया जाएगा। मेला को लेकर मेला समिति के सदस्यों द्वारा सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए मेला समिति के सचिव सह मेला संवेदक उपेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष की मेला के आयोजन को लेकर मेला प्रारंभ को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। साथ ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के मनोरंजन को लेकर तरह-तरह के झूले, तारामांची, ब्रेक डांस, बच्चों के खिलौने के दुकान, श्रृंगार दुकान, मिठाई दुकान, पारंपरिक पत्थर के बने दैनिक उपयोग में आने वाले सामानों की दुकान, लोहे के बने

हमेशा उपयोग में आने वाले सामानों की दुकान, लकड़ी के सामानों की दुकान सहित अन्य दुकानों को मेला प्रांगण में सुसज्जित ढंग से लगवाया गया है। जिससे मेला में होने वाले अपार भीड़ में लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो। मेला में श्रद्धालुओं के ठहरने को लेकर सुंदर एवं आकर्षक पंडाल मेला समिति के सदस्यों के सहयोग से बनाया गया है। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के इस सुप्रसिद्ध झरनाकुंड से बहने वाली हमेशा स्वच्छ एवं निर्मल जलधारा में नहाने से लोग स्वस्थ एवं चर्म रोगों से मुक्ति पाते हैं जैसी इस कुंड में स्नान के प्रति लोगों का धार्मिक एवं अटूट विश्वास है। झरनाकुंड के आसपास विभिन्न देवी देवताओं का मंदिर झरना मेला की शोभा को कई गुना बढ़ा देती है। वहीं मेला में शांति, सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर मेला समिति के अध्यक्ष संजय मंडल, सचिव उपेंद्र प्रसाद यादव, संबंधित पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मृत्युंजय प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष विजय टुडू, वासुदेव यादव,राजकुमार सिंह,रविंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार राय, सहित दर्जनों मेला समिति के सदस्यों एवं स्थानीय प्रशासन के द्वारा सक्रिय सहयोग किया जा रहा है।

एक नज़र इधर भी

धीरज कुमार पंकज बने जदयू युवा प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष

दैनिक बिहार पत्रिका

सहरसा। सोनबर्षा राज प्रखंड के जदयू युवा प्रकोष्ठ जिला सहरसा के प्रखंड अध्यक्ष काशनगर निवासी धीरज कुमार पंकज को मनोनीत किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को सहरसा जिला युवा जनता दल यु के जिला अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने लेटर जारी कर जानकारी दिया। वही धीरज कुमार पंकज ने कहा कि मै युवा प्रकोष्ठ के कार्य एवं दायित्व का निष्ठांपूर्वक निर्वाहन करते हुए जमीनी स्तर तक पहुँचने का काम करेंगे। वही मोके पर मधेपुरा सांसद दिनेशचंद्र यादव, जदयू प्रखंड अध्यक्ष जय कुमार सिँह, हरदेव मुखिया, मनोरंजन मंडल, प्रमोद सदा, पप्पू झा, सोनू कुमार, रौशन यादव, राजकुमार कुशवाहा, रौशन सिँह, बाबूसाहेब मंडल, रामोतार शाह, कुशेश्वर चौधरी, पिंकू मंडल, पूर्व प्रमुख रणधीर राकेश, विजय सादा आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुपौल आगमन को लेकर डीएम दिखे सख्त

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल । बिहार के मुखिया नीतीश कुमार के आगमन को लेकर सुपौल जिला प्रशासन एक्शन मोड में दिख रहे हैं इसी को लेकर डीएम कौशल कुमार में मुख्यमंत्री नितीश कुमार बिहार के प्रगति यात्रा कार्यक्रम में दृष्टिगत नवनिर्मित टाउन हॉल एवं परिसर में सभी तैयारियों का खुद पहुंच कर जायजा लिया गया। उक्त अवसर पर श्री राशिद कलीम अंसारी, अपर समाहर्त्ता, सुपौल, परियोजना निदेशक, बुडको, सुपौल, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सुपौल, श्री विकास कुमार कर्ण, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुपौल, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद्, सुपौल, श्री राघव झा, मुख्य पार्षद, नगर परिषद्, सुपौल एवं अन्य उपस्थित थे।

पुलिस ने अलग-अलग मामले में पांच लोगों को भेजा जेल

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। विशेष समकालीन अभियान के तहत सुपौल जिले की जदिया पुलिस ने अलग-अलग मामले में अलग-अलग पंचायतों से पांच वारंटी को गिरफ्तार किया है जदिया पुलिस की इस कार्रवाई से वारंटीयों में हरकंप मच गया है, पांचों अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में मामले चलने के बाद भी फरार चल रहा था, इसके बाद न्यायालय द्वारा पाचों के विरुद्ध वारंट जारी किया गया था, इस बाबत जदिया थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि पांचो अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय से वारंट निर्गत किया गया था, इसके बाद छापेमारी कर पुलिस ने ससमय सभी के उसके घर से गिरफ्तार किया गया है, गिरफ्तार सभी अभियुक्त को न्याय हिरासत में भेज दिया है।

6 वर्षीय मासूम की डूबने से मौत परिजन में मचा कोहराम

मों साजिद/दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिला के गोगरी अनुमंडल के मड़ैया थाना क्षेत्र में तालाब में डूबने से 6 वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई मृतक बच्चे की पहचान मोहम्मद हसन पिता मोहम्मद फिरोज जिसका घर डूमर कोठी मड़ैया थाना बताया गया वहीं स्थानीय थाना को सूचना मिलते ही घटनास्थल पर मड़ैया थाना प्रभारी फिरदौस आलम दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शब अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खगड़िया भेज दिया घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गया है. वही जानकारी के अनुसार उनके माता-पिता का आंसु रुकने का नाम नहीं ले रहा है. इस खबर की सूचना मिलते ही पूरे ग्रामीण क्षेत्र में मातम का माहौल छा गया है।

बाराहाट थाना पुलिस ने 5 वारंटी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बाराहाट/बांका। पुलिस अधीक्षक बांका के निर्देश पर रविवार देर शाम विशेष छापामारी अभियान में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से न्यायालय से फरार चल रहे 5 वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में खडहारा गांव के सुरेश दास पिता पलकधारी दास बनिया चक विजयहाट से रामप्रसाद राय पिता स्व प्रसादी राय खडहारा गांव से मो .मुबारक पिता स्व मवारुल मोतीहाट से पुरुषोत्तम कुमार साह पिता योगेंद्र साह एवं बड़ी बिषहर गांव से गुड्डू यादव पिता अर्जून यादव सामिल है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष दीपक पासवान ने पूछने पर बताया कि पुलिस अधीक्षक बांका के निर्देश पर विशेष छापामारी अभियान चलाया गया।जिसमें न्यायालय से फरार चल रहे विभिन्न गांवों से पांच वारंटी को गिरफ्तार करते हुए सोमवार को पुलिस अभिरक्षा में बांका भेज दिया गया।

मधेपुरा में नहीं थम रहा प्रसव के नाम पर पैसों की वसूली का खेल

महज दिखावे की होती है कार्रवाई

अनिष कुमार/ दैनिक बिहार पत्रिका

मधेपुरा ।जिले सभी स्वास्थ्य केंद्र का यही हाल है सदर अस्पताल समेत जिले के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराए जाने में पैसों का खेल चल रहा है। डिलिवरी के बाद नर्स से लेकर सफाईकर्मी तक सभी रौब दिखाकर प्रसूता के परिवार से पैसों की वसूली करते हैं। इसकी कई बार शिकायत भी दर्ज कराई गई लेकिन सिर्फ दिखावे की कार्रवाई की जाती रही है। नार्मल डिलेवरी में लड़का होने पर 1051 रुपये तथा लड़की होने पर 551 रुपये प्रसूता के स्वजनों को बतौर बख्शीश नर्सों को देना होता है। ग्वालपाड़ा में कार्यरत नर्सों का इतना दबदबा है कि मरीजों से पैसे लेने के कई आरोपों के बाद भी उन पर महज दिखावे के लिए ही कार्रवाई होती है। कार्रवाई के कुछ ही दिनों बाद आरोपित नर्से फिर से प्रसव वार्ड में पोस्टिंग कराकर अपने पैसे वसूली के अभियान में लग जाती !

क्या कहते हैं सदर अस्पताल अधीक्षक

सिविल सर्जन से इस पर सवाव किए जाने पर कहा कि मुझे इस मामले की जानकारी नहीं है। इस मामले की जांच कराकर दोषी कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

24 वर्षीय युवक को अपराधी तत्व के लड़के ने आंख में चाबी डालकर किया ज़ख्मी, अस्पताल में इलाजत

संवाददाता/दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। गोगरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत केडीएस कॉलेज के समीप कुछ दबंग, लड़कों ने मिल के एक युवक 24 वर्षीय जिसका नाम राहुल कुमार,पेसर राजू मंडल, नया टोला तौफिर,वार्ड 8 गोगरी के निवासी को बेरहमी से लोहे के रड से आधे दर्जन लोग ने मिलकर बेरहमी से पिटाई किया जिसमें की राहुल कुमार गंभीर रूप से घायल कर दिया गया जिसमें की राहुल कुमार ने बताया की सभी युवक स्मैईकर टाइप के थे जिसमें की एक युवक जिसको मैं पहचानता हूं उसका नाम मनीष कुमार मनोज कुमार है घायल युवक के बाइक की चाबी छीन कर आंख में डालकर आँख को लहू लहान कर दिया उसके बाद सभी युवक वहां पर से फरार हो गए घायल युवक के परिजनों को सूचना मिलने पर घायल युवक राहुल कुमार को अनुमंडलीय अस्पताल इलाज कराने के लिए पहुंचे, इधर घायल व्यक्ति ने उनके खिलाफ गोगरी थाना में आवेदन दिया जाएगा।

मकर संक्रांति पर्व को लेकर बाजारों में उमड़ी ग्राहकों की भीड़, जमकर हुई खरीदारी

संवाददाता/दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका।14 एवं 15 जनवरी 2025 को होने वाले मकर संक्रांति पर्व को लेकर फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के प्रमुख बाजार फुल्लीडुमर ,खेसर, गोड़ा, भितिया, तेलिया मोड़ सहित प्रखंड क्षेत्र के अन्य बाजारों में खरीदारी को लेकर सोमवार को दिनभर ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्राहकों की उमड़ी भीड़ के कारण प्रखंड के प्रमुख बाजार फुल्लीडुमर एवं खेसर में दिन भर जाम की स्थिति बनी रही। जानकारी के अनुसार मकर संक्रांति पर्व को लेकर लोगों द्वारा चुड़ा, मुरही, गुड़, तिलकुट, लड्डवा, खाने पीने के समान, मिठाई, फल एवं कपड़े ओदि की जमकर खरीदारी की गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान, व्रत, कथा, दान और भगवान सूर्य देव की उपासना करने का विशेष महत्व है। इस दिन किया गया दान अक्षय फलदाई होता है। मकर संक्रांति हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है। इस दिन खिचड़ी बनाने एवं दान करने की परंपरा भी विशेष महत्व रखती है।

एक स्कॉर्पियो चालक 226.98 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता/दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। बिहार में पुर्ण शराबबंदी कानून लागू है बावजूद देवघर कटोरिया मुख्य सड़क मार्ग से चांदन पुलिस शराब के पकड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। ऐसे ही मामला सोमवार 13 जनवरी को सामने आई है। पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देशानुसार मकर संक्रान्ति और 26 जनवरी के आलोक में वाहन जांच अभियान के तहत चांदन थाना अध्यक्ष विष्णु देव कुमार के नेतृत्व में पाण्डेयडीह के समीप अपर थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार आदि पुलिस बल ने रविवार की रात्रि एक स्कार्पियो से विभिन्न कम्पनीयों की भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है । मौके से एक वाहन चालक सह शराब तस्कर को भी गिरफ्तार करने मे सफलता मिली है ।जानकारी के अनुसार रविवार की देर रात्रि पाण्डेयडीह से सटे गोड़ियारी मोड़ के समीप चांदन थाना पुलिस द्वारा विशेष वाहन जाँच अभियान चलाया जा रहा था ।इसी दौरान देवघर की तरफ से आ रहे एक स्कार्पियो को जाँच के लिए रोका । जाँच के क्रम में स्कार्पियो की सीट, डिक्की और बीच मे बने तहखाना से विभिन्न कम्पनी के 226.98 लीटर विदेशी शराब जब्त की गयी ।त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चालक सह शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया ।जिसकी पहचान बेगूसराय जिला के डंडारी थाना क्षेत्र के सुधरन गाँव निवासी नीरज कुमार पिता डोमन तांती के रूप मे हुई है। इस संबंध मे थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर के खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है ।

पशु तस्करी को रोकने के लिए चलाये विशेष अभियान : जिलाधिकारी

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पशुक्रूरता निवारण सोसाइटी की हुई बैठक

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होती जिला स्तरीय पशुक्रूरता निवारण सोसाइटी की बैठक

जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने पशु तस्करी को रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में बैरिकेडिंग कराने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि पशु अत्याचार के मामले में जितनी भी प्राथमिकियां दर्ज होती हैं , संबंधित थाना इसकी सूचना जिला पशुपालन पदाधिकारी को अवश्य दें , ताकि पशुओं के स्वास्थ्य की जांच हो सके। वे आज जिला समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय पशुक्रूरता निवारण सोसाइटी की बैठक में पदाधिकारियों को निर्देश दे रहे थे।

जिला पदाधिकारी ने सदर एसडीएम को निदेश दिया कि वे गोशालाओं का नियमित निरीक्षण करें। साथ ही गोरौल,लालगंज,महनार, पातेपुर और गंगाब्रिज थाना को इस मामले में सजग रहते हुए सघन जांच का निदेश दिया गया, ताकि पशु तस्करी को रोका जा सके । उन्होंने निदेश दिया कि जिला अंतर्गत स्थापित पशु हाट /बाजार से अवैध रूप से परिवहन होने वाले दुधारू पशुओं की रोकथाम हेतु प्रखंड स्तर पर पदस्थापित पशु चिकित्सक /जिला में पदस्थापित पशु चिकित्सक को इस कार्य में संलग्न करें एवं अवैध रूप से परिवहन करने वाले पशु तस्करों को चिन्हित कर कार्रवाई करें। जिला कार्यकारिणी समिति के सदस्यों को निदेशित किया गया कि अवैध रूप से पशु तस्कर एवं तस्करी में संलग्न वाहन की सूचना संबंधित थानों के प्रभारी को देते हुए पशुक्रूरता पर रोक लगाने में सहयोग करेंगे। उन्होंने निदेश दिया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में यत्र-तत्र विचरण करने वाले पशुओं, जिनसे आम जन को नुकसान पहुंच रहा है ,को नियंत्रित करें । जिलाधिकारी ने पशुपालन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पशु तस्करी को रोकने के क्रम में पकड़े गए पशुओं को रखने हेतु भगवानपुर प्रखंड के किरतपुर राजाराम पंचायत राज के ग्राम शेखूपुर दरिया में शेल्टर हाउस का निर्माण शीघ्र कराएं। बैठक में एसडीएम हाजीपुर,जिला पशुपालन पदाधिकारी, वन प्रमंडल के पदाधिकारी, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी के साथ पशुक्रूरता निवारण सोसाइटी के कार्यकारिणी के सदस्य एवं मनोनीत सदस्य भी उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की बैठक लदहों पंचायत में हुई

दैनिक बिहार पत्रिका

वैशाली । विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल (संघ) के पूरे 100 वर्ष में परिवेश होने के उपलक्ष्य में,पूरे भारत मे हर खंड हर वार्ड हर पंचायत तक विश्व हिंदू परिषद बजरंग के संगठन का विस्तार कार्यक्रम का अभियान बड़ी तेजी से चलाया जा रहा हैं।उसी क्रम में सोमवार को वैशाली जिला के पातेपुर प्रखंड के लदहों पंचायत के अहमदपुर गांव में राजू सिंह बजरंग दल संयोजक (पातेपुर) की अध्यक्षता में संगठन विस्तार हेतु बैठक आयोजित की गई,जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई एवं पंचायत स्तरीय इकाई की भी घोषणा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से तेजन सहनी(विश्व हिंदू परिषद अध्यक्ष लदहों पंचायत), अर्जुन(विश्व हिंदू परिषद उपाध्यक्ष ,लदहों पंचायत), संजीत(विश्व हिंदू परिषद मंत्री लदहों पंचायत),गुड्डू कुमार चौधरी(बजरंग दल संयोजक लदहों पंचायत), अर्जुन सहनी(बजरंग दल सहसंयोजक लदहों पंचायत), दीपक कुमार (बजरंग दल सुरक्षा प्रमुख लदहों पंचायत), गौतम(बजरंग दल बलोपासना प्रमुख), रौशन कुमार (बजरंग दल गौ रक्षा प्रमुख लदहों पंचायत),प्रमोद(बजरंग दल विद्यार्थी प्रमुख लदहों पंचायत),दीपक(बजरंग दल सह विद्यार्थी प्रमुख लदहों पंचायत) को संगठन का दायित्व सौंपा गया।

विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी के विस्तार को लेकर जदयू की बैठक

संवाददाता/दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। सोमवार को देवता पंचायत में पंचायत अध्यक्ष अजमत आलम के अध्यक्षता में गांव गौछारी पंचायत में पंचायत अध्यक्ष श्रवण दास की अध्यक्षता में एवं मदारपुर पंचायत में पंचायत अध्यक्ष विकास कुमार की अध्यक्षता में पंचायत कमेटी के सत्यापन के लिए बैठक का आयोजन किया गया बैठक में मुख्य अतिथि विधानसभा प्रभारी श्री शिशुपाल भारती विशेष अतिथि प्रखंड अध्यक्ष श्री मायाराम मंडल, प्रखंड प्रभारी श्रीकांत सिंह कुशवाहा मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता रितेश कुमार एवं एससी एसटी के प्रदेश सचिव धनिक लाल दास के रूप में शामिल हुए बैठक में बैठक में विधानसभा प्रभारी शिशुपाल भारती ने पंचायत कमेटी के सूची का सभी साथी से मिलजुल कर सत्यापन किया साथ ही साथ कहा जनता दल यूनाइटेड संगठन परबत्ता विधानसभा में काफी मजबूत स्थिति में है आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार में 2025 में 225 का लक्ष्य पूरा करने में परबत्ता विधानसभा पहला नंबर पर रहेगा खगड़िया जिला गोगरी प्रखंड मैं 16 जनवरी को माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के कार्यक्रम में परबत्ता विधानसभा से हजारों की संख्या में साथी उपस्थित रहेंगे बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित मुखिया प्रतिनिधि विकास कुमार यादव प्रखंड उपाध्यक्ष दीपक कुमार महिला प्रखंड अध्यक्ष बॉबी गांधी यादव छात्र प्रखंड अध्यक्ष हरीकिशोर कुमार अजय पंडित राजेश पासवान राजकुमार यादव हिमांशु कुमार सिंह पुदीन आलम पप्पू शर्मा शेखर शर्मा उप मुखिया प्रतिनिधि खगेश चौरसिया जितेंद्र कुमार प्रभु ठाकुर ओमान कुमार भारत कुमार

चिकित्सक, विप सभापति प्रतिनिधि व पत्रकारो को किया गया सम्मानित

अभिनव कला संगम ने किया कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/रोहतास ।सांस्कृतिक संचेतना का प्रतिनिधि मंच अभिनव कला संगम द्वारा डालमियानगर के ड्रीम हाउस मे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्ष कमलेश कुमार ने कहा कि समाज मे बेहतर काम करने तथा संस्था के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने वाले को संस्था द्वारा प्रती वर्ष सम्मानित किया जाता है। पिछले दिनों भी नाटय प्रतियोगिता के दौरान पुलिस- प्रशासनिक अधिकारियों समेत अन्य समाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया था। शहर ही नहीं देश के चर्चित मनोरोग विशेषज्ञ डॉ उदय सिन्हा को सोन गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ उदय सिंहा ने कहा कि अभिनव कला संगम सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने तथा कला सांस्कृतीक के क्षेत्र मे डेहरी ही नहीं बिहार का नाम रौशन किया है। वह सदैव अभिनव कला संगम के साथ हमेशा दिल से जुड़े रहेंगे। अभिनव कला संगम द्वारा डॉ राम जी सिंह के अलावे बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह के प्रतिनिधि प्रकाश गोस्वामी को भी अंग वस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था के निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा ने कहा कि विधान परिषद सभापति के प्रतिनिधि प्रकाश गोस्वामी लगातार सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं, यही कारण है कि 15 वर्षों से लगातार विधान परिषद के सभापति ने इन पर पुनः विश्वास जताया है। अभिनव कला संगम परिवार समाज में ऐसे लोगों को सदैव सम्मानित करते रहेगी। वहीं प्रकाश गोस्वामी ने भी अभिनव कला संगम को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। अभिनव कला संगम परिवार द्वारा संस्था को सदैव सहयोग देने और पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर करने के लिए वरीय पत्रकार सुरेंद्र तिवारी, रवि कुमार, प्रो अरुण सिंह, पुष्पा गुप्ता,रामजी रंजन, मंजीत कुमार सिंह, रूपेश कुमार आदि को भी सम्मानित किया गया। सभी पत्रकारों ने अभिनव कला संगम को हर संभव सहयोग का अश्वासन दिया। तिलौथू हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक मैकू राम को भी बिहार में बेहतर शैक्षणिक संस्थान के लिए अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में अकस संयोजक आशुतोष श्रीवास्तव, प्रधान सलाहकार राम कृष्ण शर्मा, सचिव विनय कुमार, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, कोषाध्यक्ष शिव गुप्ता,महासचिव प्रो रणधीर सिन्हा, उपाध्यक्ष सिमल सिंह, संजय यादव, विशाल सिंह, विनय कुशवाहा, मुकुल मणि, ओम जी यादव कुंदन यादव, कृष्णा यादव, मनोज गुप्ता, शंभू गुप्ता, संजय कुमार, राहुल सिंह, समेत अन्य उपस्थित थे।

लंबित पत्रों के तुरंत निष्पादन करने का दिया गया निर्देश

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ 10:30 बजे पूर्वाहन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा विभिन्न कार्यालयों में लंबित पत्रों के निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की गई तथा काफी दिनों से लंबित पत्रों के तुरंत निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में उप विकासआयुक्त,बांका,अपर समाहर्ता विभागीय जांच, बांका जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य वरीय जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ-साथ सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

ऑनलाइन जुआ खेलने की लत, सब कुछ हारे... कर ली आत्महत्या

बेंगलुरु । बेंगलुरु में दो पुरुषों ने ऑनलाइन जुए में बड़ी रकम हारने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, दोनों ने मानसिक तनाव और पैसे की कमी के कारण आत्महत्या करने का कदम उठाया। वे लगातार ऑनलाइन जुआ खेलकर हार रहे थे, इससे वे आर्थिक रूप से टूट गए थे। पहली घटना 8 जनवरी को हुई, जब एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दूसरी घटना 10 जनवरी को हुई, जब एक और 35 वर्षीय व्यक्ति ने भी अपने घर में जान दी। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने इन दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि दोनों व्यक्तियों ने अपने परिवार और दोस्तों से इस बारे में कोई बात नहीं की थी। जांच में सामने आया कि दोनों ने कई बार ऑनलाइन जुआ खेलकर अपनी सारी बचत खो दी थी। इसकारण वे मानसिक रूप से परेशान थे। पुलिस ने लोगों को ऑनलाइन जुए के खतरों के बारे में जागरूक करने की अपील की है।

12 लाख साल पुरानी बर्फ से पृथ्वी की जलवायु और पर्यावरण का परीक्षण

नई दिल्ली । दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिकों द्वारा 2.8 किलोमीटर की गहराई से ड्रिल करके बर्फ निकल गई है। इसे 12 लाख वर्ष पुरानी बर्फ माना जा रहा है। इस बर्फ का परीक्षण दुनिया के कई देश के वैज्ञानिक एक साथ मिलकर करेंगे। ताकि जलवायु और पर्यावरण में किस तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका अध्ययन किया जा सके। हिम युग में जो तापमान और ग्रीन हाउस मे गैसों के बीच के क्या संबंध था। पृथ्वी के बढ़ते तापमान पर इसका क्या असर भविष्य में हो सकता है। इसका परीक्षण वैज्ञानिक कर रहे हैं। इसके पहले यही टीम 8 लाख साल पुरानी बर्फ का नमूना निकाल चुकी है। अब 12 लाख साल पुरानी बर्फ का परीक्षण किया जाएगा। वैज्ञानिकों की इस टीम में 16 वैज्ञानिक हैं। जो पिछले 4 साल से अंटार्कटिका की कड़ी ठंड के बीच यह परीक्षण कर रहे हैं। इस परीक्षण के लिए बेल्जियम, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी,इटली,नॉर्वे, स्वीडन, स्वीटजरलैंड, नीदरलैंड तथा ब्रिटेन की सरकारों द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। इस परीक्षण से वैज्ञानिक यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। हिम युग से लेकर अभी तक किस तरह के बदलाव पृथ्वी में आए हैं। उसको जानने के लिए इस परीक्षण से बहुत बड़ी मदद मिलेगी।

बारामूला के जंगल में लगी आग, वन विभाग और अग्निशमन की टीमें तैनात

बारामूला। बारामूला जिले के सोपोर के रामपोरा राजपोरा इलाके में जंगल में आग लग गई है। आग जो कंपार्टमेंट 33 और 38 में शुरू हुई ने जंगल के एक महत्वपूर्ण हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है, जिससे हरा भरा क्षेत्र और वनस्पति को काफी नुकसान पहुंचा है। आग की लपटों पर काबू पाने के लिए वन सुरक्षा बल, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं सहित वन विभाग की टीमों को तैनात किया गया है। आग लगने का कारणों का पता नहीं चला सका है। यह घटना कश्मीर घाटी में लंबे समय तक शुष्क रहने और बढ़ते तापमान के कारण जंगल में लगने वाली आग का हिस्सा है। नमी की कमी ने इस क्षेत्र को अत्यधिक संवेदनशील बना दिया है, जिससे कई वन क्षेत्रों में कई बार आग लग जाती है। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे उन्हें तुरंत ही आग की सूचना दें ताकि समय रहते बचाव कार्य शुरू किया जा सके। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी बरतें और स्थिति नियंत्रण में होने तक प्रभावित वन क्षेत्रों में ना जाएं।

रांची में लाखों की ठगी कर भागा मुंबई, स्टाल लगा कर बेचने लगा चाऊमीन

-पुलिस की टेक्निकल सेल ने ट्रेस कर दबोचा, जेल भेजा

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में लाखों रुपए की ठगी करने के बाद आरोपी मुंबई भाग गया और पुलिस से बचने के लिए चाऊमीन का स्टाल लगाकर बेचने लगा। जब रांची में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ तो पुलिस की टेक्निकल सेल ने उसे ट्रेस किया उसके बाद रांची पुलिस ने मुंबई से आरोपी रविंद्र राणा को गिरफ्तार किया। आरोपी रांची के सुखदेव नगर इलाके में एचआर एंटरप्राइजेज नाम से दुकान चलाता था। रांची के पुंदाग के रहने वाले कारोबारी शैलेंद्र कुमार पाठक ने रविंद्र राणा पर 22 लाख 50 हजार की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी राणा ने शैलेंद्र पाठक से इलेक्ट्रिकल तार खरीदने के लिए पैसे लिए थे। काफी दिन बीत जाने के बाद जब शैलेंद्र ने पैसे मांगे तो आरोपी राणा मोबाइल बंद कर मुंबई भाग गया। इतना ही नहीं आरोपी राणा ने शैलेंद्र को एक चेक भी दिया था जो बाउंस हो गया। राणा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने के बाद रांची पुलिस की टीम मुंबई गई और आरोपी को धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक फरार आरोपी राणा मुंबई जाने से पहले बिहार के गया और झारखंड के बोकारो में पनाह लिए हुए था। पुलिस ने वहां भी नोटिस भेजा, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। फिर टेक्निकल सेल से जानकारी मिली कि आरोपी रविंद्र राणा मुंबई में रह रहा है और वहां चाऊमीन बेच रहा है। राणा को उसकी दुकान से ही गिरफ्तार कर रांची लाया गया और उसे जेल भेज दिया गया है।

70 फीट नीचे गिरने से हाथी की मौत

नीलगिरी । भोजन की तलाश में भटके एक हाथी 70 फीट नीचे गिरने से मौत हो गई। दरअसल, जलवायु परिस्थितियों में बदलाव के बाद हाथियों के कई झुंड भोजन और पानी की तलाश में केरल और तमिलनाडु के बीच वन क्षेत्र से आ रहे हैं। इस तरह के प्रवास के दौरान, कुछ हाथी भटक जाते हैं और दुर्गम इलाकों में चले जाते हैं। ऐसा ही एक हाथी जिसकी उम्र 33 साल है, उबड़-खाबड़ इलाके से गुजरते समय फिसलकर एक बड़ी चट्टान के ऊपर गिर गया था। वन अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई और वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि हाथी थोड़ा आगे बढ़ रहा था, लेकिन इसके पहले कि वन अधिकारी बचाव कर पाते, हाथी फिर फिसलकर गिर गया और 6वें हेयरपिन बेंड के पास एक खाई में जा गिरा।

ठीक नहीं लग रहे ड्रेगन के मंशूबे: अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास कॉम्बैट ड्रिल शुरू कर दी है। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की शिनजियांग मिलिट्री कमांड के रेजिमेंट की अगुवाई में यह युद्धाभ्यास किया गया। कुल मिलाकर चीन के मंशूबे ठीक नहीं लग रहे हैं और न ही वो अपनी हरकतों से बाज आ रहे हैं। बता दें कि देपसांग और डेमचोक जैसे क्षेत्रों में गश्ती फिर से शुरू होना दोनों देशों के बीच के संबंधों में नरमी का संकेत देता है, लेकिन चीन की ओर से लगातार किए जा रहे सैन्याभ्यास से पता चलता है कि अभी स्थाई शांति का रास्ता लंबा और चुनौतियों भरा है।

चीन के इस कॉम्बैट ड्रिल में सभी इलाकों में इस्तेमाल लाए जाने वाहनों, मानव रहित सिस्टम और ड्रोन सहित सेना की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया। चीन की ओर से यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है, जब भारत और चीन के बीच शांति बनाए रखने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे हटाने और फिर से पेट्रोलिंग शुरू करने को लेकर 21 अक्टूबर 2024 को एक एग्रीमेंट हुआ था। यह एग्रीमेंट 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव को कम करने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम था। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने देपसांग और डेमचोक जैसे संवेदनशील इलाकों में गश्ती बहाल करने पर सहमति जताई थी। भारत के एनएसए अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह एग्रीमेंट हुआ था। इस एग्रीमेंट के बावजूद भी दोनों पक्षों के बीच अनिश्चितता बनी हुई है। दोनों देश कठिन परिस्थितियों में भी बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती किए हुए हैं।

चीन की ये ड्रिल महज ट्रेनिंग का हिस्सा नहीं है। चीन स्ट्रैटेजिक तरीके से ऐसा कर रहा है। वह विवादित क्षेत्रों में तेजी से सेना जुटा रहा है। उदाहरण के लिए एक्सोस्केलेटन के इस्तेमाल से चीनी सैनिकों को ऊंचाई वाले इलाकों में फायदा मिल रहा है और वे आसानी से सैन्याभ्यास कर पा रहे हैं।

ऐसे में भारत को सतर्क बने रहने और लद्दाख में सैन्य आधुनिकीकरण के प्रयासों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। भारतीय सेना भी शीतकालीन युद्धाभ्यास कर रही है, बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रही है और चीन के किसी भी तरह के संभावित हमले मुकाबला करने के लिए अपने सर्विलांस सिस्टम क और मजबूत कर रही है।

औवेसी, पप्पू यादव और चंद्रशेखर के बीच पक रही सियासी खिचड़ी... महागठबंधन के लिए खतरा

मोतिहारी। बिहार की राजनीति में एनडीए और महागठबंधन के अलावा एक नए राजनीतिक समीकरण की सुगबुगाहट सुनाई दे रही है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम, जन अधिकार पार्टी के नेता पप्पू यादव और आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद के बीच गठबंधन की चर्चा सियासी गलियारे में सुनाई दे रही है। यह पहल बीपीएससी पेपर लीक मामले में हुए बिहार बंद के दौरान सामने आई। एआईएमआईएम नेता और शिवहर के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राणा रंजीत सिंह ने मोतिहारी में संभावित गठबंधन के संकेत दिए। राणा का कहना है कि एनडीए और महागठबंधन अपने अहंकार में डूबे हुए है और बिहार को एक नए विकल्प की जरूरत है। सिंह के मुताबिक बिहार की जनता दोनों गठबंधनों से परेशान है, क्योंकि वे सिर्फ सत्ता की राजनीति में उलझे है और जनता के मुद्दों की अनदेखी कर रहे है। उन्होंने कहा कि अगर यह नया गठबंधन बनता है, तब यह बिहार को एक मजबूत और जनहितैषी विकल्प दे सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर गठबंधन साकार होता है, तब बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। तीनों नेताओं का एक साथ आना एनडीए और महागठबंधन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव: राहुल गांधी ने कांग्रेस के प्रचार अभियान का सीलमपुर से किया आगाज़

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान का आगाज़ सीलमपुर से कर दिया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने कांग्रेस के लिए वोट मांगे और जनता से केंद्र में भाजपा तो दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकारों को बदलने का आह्वान किया।

इस रैली का आयोजन जय बापू, जय भीम, जय संविधान थीम के तहत किया गया था, जिसमें संविधान, सामाजिक न्याय और विकास पर जोर दिया गया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, कि यह चुनाव दिल्ली की जनता के हक और संविधान की रक्षा के लिए है। कांग्रेस दिल्ली को फिर से एक बेहतर और सुरक्षित राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निज़ामुद्दीन ने कहा, कि राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, जनता के मुद्दों को उठाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। दिल्ली में उनकी यह पहली रैली पार्टी के लिए अहम है और इसे सफल बनाने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हैं।

यहां बताते चलें कि सीलमपुर की यह रैली कांग्रेस के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस का प्रयास है कि इस क्षेत्र में अपने पारंपरिक जनाधार को फिर से मजबूत किया जाए। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी को होगी। राहुल गांधी की इस रैली के साथ ही कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को गति दे दी है और उम्मीद की जा रही है कि इससे पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी।

दिल्ली की 27 सीटों पर हार-जीत तय करते हैं यूपी और बिहार के लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सत्ता में लगातार पूर्वांचलियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। यहां 22 फीसदी के करीब पूर्वांचली मतदाता हैं जो 27 विधानसभा सीटों पर हार जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि पूर्वांचलियों के सम्मान पर सियासत तेज हो गई है। कई ऐसी सीटें भी हैं जहां इनकी संख्या 25 से 38 फीसदी तक है। सभी राजनीतिक दलों ने पूर्वांचल समाज के लोगों को पार्टी में महत्वपूर्ण पदों के साथ-साथ टिकट देने में तवज्जो दी है। आम आदमी पार्टी की ओर से 2020 के चुनाव में पूर्वांचल के लोगों को 12 सीटों पर टिकट दिए थे। पार्टी ने इस बार भी करीब 12 पूर्वांचली चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा है।

साल 2013 से पहले कांग्रेस ने भी पूर्वांचली मतदाताओं, ब्राह्मण और मुस्लिमों की सोशल इंजीनियरिंग के जरिए 15 साल दिल्ली की सत्ता पर राज किया। अब 2025 में हो रहे विधानसभा चुनाव में भी इनपर सभी दलों की नजरें हैं। इसी हिसाब से सभी दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं और टिकट वितरण में इसका खास ध्यान रख रहे हैं। पूर्वांचली मतदाता अधिकांश कच्ची कॉलोनियों में रहते हैं। वहां पर कई समस्याओं का सामना निवासियों को करना पड़ रहा है। इन कॉलोनियों में खासकर पानी की आपूर्ति, सीवर नेटवर्क, सड़कों की प्रमुख समस्या है। साथ ही कई जगह डिस्पेंसरी भी नहीं है। इनके अलावा रोजगार इनका प्रमुख मुद्दा है।

राजधानी दिल्ली की सियासत में पूर्वांचली मतदाताओं का स्थान काफी अहम है। चुनाव में ये मतदाता जिस ओर जाएंगे, उस राजनीतिक दल का पलड़ा सबसे भारी नजर आएगा। ऐसे में पूर्वांचली मतदाताओं की बड़ी संख्या की वजह से ही भाजपा ने भोजपुरी गायक मनोज तिवारी को दिल्ली में स्थापित किया और लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया। यहां के मतदाताओं ने भी मनोज तिवारी को अपना आशीर्वाद दिया और तीनों बार बड़े अंतर से जीत दिलाई। वर्ष 2016 में भाजपा ने मनोज तिवारी को दिल्ली भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया और उनके नेतृत्व में 2017 में दिल्ली नगर निगम का चुनाव लड़ा। इन्हीं पूर्वांचली मतदाताओं के सहारे भाजपा ने चुनाव में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया और दिल्ली नगर निगम में काबिज हुई। इन चुनाव में भाजपा के 181 पार्षद, आप के 49 और कांग्रेस के 31 पार्षद जीतकर नगर निगम में पहुंचे थे। मनोज तिवारी को पूर्वांचल का चेहरा बनाने से भाजपा को चुनाव में काफी फायदा हुआ।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के इन प्रवासी लोगों के भरोसे ही वर्ष 2020 में जदयू, आरजेडी और लोजपा ने भी दिल्ली में उम्मीदवार उतारे थे। लोजपा और जेडीयू ने एनडीए गठबंधन में तो आरजेडी ने कांग्रेस से गठबंधन कर चार सीटों पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, इन्हें दिल्ली चुनाव में मतदाताओं ने ज्यादा तवज्जो नहीं दी थी। पिछले चुनाव में आप और भाजपा के बीच ही मुख्य मुकाबला था।

आस्था से विदेशी सराबोर: कोई बना नागा साधू तो किसी ने खुद को बताया पिछले जन्म का भारतीय

प्रयागराज (एजेंसी)। इटली से आई एमा और उनके दो दोस्तों के लिए महाकुंभ का अनुभव कुछ विशेष है। एमा, जो योग शिक्षिका हैं, भारत की संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति गहरी रुचि रखती हैं, ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मैं अपने पिछले जन्म में भारतीय थी। भारतीय संगीत, भजन और कीर्तन मुझे बहुत पसंद हैं। महाकुंभ में यहां की व्यवस्था अद्भुत है। एमा और उनके दोस्त इस बार कुंभ में भाग लेने आए हैं और दुनिया के सबसे बड़े सामूहिक स्नान का अनुभव करना चाहते हैं।

एमा के साथी पिएत्रो और स्टीफानो भी इस यात्रा से प्रभावित हैं। पिएत्रो ने कहा, मैं योग साधक हूं और भारतीय संस्कृति का थोड़ा ज्ञान है। कुंभ मेला सनातन धर्म का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है। स्टीफानो ने बताया, मेरे रूसी दोस्तों ने इस आयोजन के बारे में जो अनुभव साझा किए, उसने मुझे यहां आने के लिए प्रेरित किया। इस साल महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है, जो गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में अमृत स्नान करेंगे। महाकुंभ, जो हर 12 साल में एक बार आयोजित होता है, आज से पौष पूर्णिमा स्नान के साथ शुरू हो गया है। इस बार महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ लोग शामिल होने की उम्मीद है। संगम के तट पर गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन स्थल पर एक विशाल मेला स्थल तैयार किया गया है, जहां देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु आकर पवित्र स्नान करेंगे।

महाकुंभ में सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। 2,700 एआई कैमरे और 113 पानी के नीचे के ड्रोन जलमार्गों की निगरानी करेंगे, जबकि पांच वज्र वाहन, 10 ड्रोन और चार एंटी-सैबोटाज टीमें चौबीसों घंटे गश्त करेंगी। प्रयागराज पुलिस ने लगभग 40,000 पुलिसकर्मियों और साइबरक्राइम विशेषज्ञों के साथ व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। महाकुंभ के पहले दिन, 13 जनवरी को लाखों श्रद्धालु संगम में स्नान करने के लिए पहुंचे। 50 लाख श्रद्धालुओं ने रविवार को डुबकी लगाई, और अब तक करीब 17 लाख लोग स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा, और श्रद्धालु इस दौरान कल्पवास करने के लिए संगम तट पर एक महीने तक रहेंगे।

नवी मुंबई में बनकर तैयार हुआ इस्कॉन मंदिर, 15 को पीएम मोदी के हाथों लोकार्पण

मंदिर के निर्माण में करीब 200 से 250 करोड़ रुपए की लागत आई

नवी मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई के खारघर में स्थित इस्कॉन मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। यह मंदिर करीब 9 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें से 2.5 एकड़ क्षेत्र में भव्य मंदिर बना है। 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इस भव्य मंदिर का लोकार्पण होगा। इससे पहले, 9 जनवरी से यहां सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आगाज हो चुका है। भजन सम्राट अनूप जलोटा भी अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इसके अलावा, अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी भी कार्यक्रम में शामिल होने वाली हैं। मंदिर के पुजारी ने बताया कि पहले जब वे गीता का प्रचार करने के लिए दूर-दूर से आते थे, तब लोगों ने उन्हें यहां एक मंदिर बनाने की सलाह दी थी। इसके बाद, उन्होंने सिडको से जमीन लेकर मंदिर बनाने का काम शुरू किया। मंदिर के निर्माण में करीब 200 से 250 करोड़ रुपए की लागत आई है और अब यह भव्य मंदिर तैयार हो चुका है। इस्कॉन मंदिर के महाराज सुर दास महाराज ने बताया, जब मैं प्रचार करता था, तब लोग मुझसे कहते थे कि आप प्रचार करने के लिए आते हैं, तब यहां एक मंदिर भी बनवा दीजिए। मैंने सोचा कि यह सब कैसे होगा? जमीन बहुत महंगी है। लोग बोले, सेठ के पास जाइए, तब मैंने आवेदन किया। यह प्रक्रिया सात साल तक चली और उसके बाद हमें जमीन मिली। तब 3,500-4,000 करोड़ रुपए जमीन में लगे थे। अब तक पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 200 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इस मंदिर को बनाने में भक्तों का बहुत योगदान है, जिनकी मदद से हम ये मंदिर बना पाए। मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस मंदिर के निर्माण में सहयोग किया। महाराज ने कहा, हमारे अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावना संघ का क्षेत्र लगभग नौ एकड़ में फैला हुआ है, इसमें पांच एकड़ में सुंदर बागीचा तैयार किया है। आजकल मुंबई में हरियाली की कमी है, लेकिन हम लोगों ने मंदिर के अंदर हरियाली बढ़ाई है। यहां आकर लोग शांति और शुद्ध वातावरण का अनुभव करते हैं। इस स्थान पर ठाकुर जी राधा-मदनमोहन, ललिता-विशाखा, सीता-राम और हनुमान जी का विग्रह स्थापित होगा और यह स्थान सभी भक्तों को आशीर्वाद देगा। उन्होंने कहा कि, हमारे यहां बहुत सारे सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम होते हैं, जिसमें आप भी भाग ले सकते हैं। हमारे आयुर्वेदिक कॉलेज में भागवत गीता, भागवतम और आत्मज्ञान से संबंधित अन्य ग्रंथों की शिक्षा दी जाती है। यहां एक सुंदर भोजनालय भी है, जो प्रभुपाद जी ने गोविंदाज नाम से स्थापित किया था। हर रविवार को यहां मुफ्त प्रसाद मिलता है। लेकिन, इसका उद्देश्य केवल भोजन देना नहीं है, बल्कि साथ में भागवत गीता और आत्मज्ञान भी देना है। हम प्रसाद के साथ भगवान का नाम और ज्ञान प्रदान करते हैं और यह तरीका लोगों को बहुत पसंद आता है।

दो मुस्लिम चेहरों के बीच भाजपा का हिंदू कार्ड कितना दिखाएगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए 29 सीटों पर उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी अभी तक कुल 58 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। उम्मीदवारों के ऐलान में जातिगत समेत कई तरह की समीकरणों का ध्यान रखा गया है। 27 सालों से दिल्ली में सत्ता का इंतजार कर रही भाजपा ने अभी तक किसी सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा है।

पार्टी ने तीन ऐसी सीटों पर भी हिंदू चेहरे दिए हैं जिन पर आप और कांग्रेस ने दोनों ने मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी की कोशिश दो मुस्लिम उम्मीदवारों के बीच हिंदू वोटर्स को अपने पक्ष में गोलबंद करने की है। पुरानी दिल्ली की बल्लीमारान की मुस्लिम बहुल सीट पर भाजपा ने कमल बागड़ी को चुनाव मैदान में उतारा है, जो रामनगर वार्ड से पार्षद हैं। भाजपा ने यहां दो मुस्लिम उम्मीदवारों के बीच बागड़ी को उतारा है। आप ने इस सीट पर इमरान हुसैन को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने दिग्गज नेता हारुन यूसुफ को पर दांव लगाया है। यहां दोनों ही मुस्लिम उम्मीदवार बेहद मजबूत हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दो बड़े मुस्लिम चेहरों के बीच इस जंग का फायदा बागड़ी उठा सकते हैं।

मटिया महल भी दिल्ली की एक मुस्लिम बहुल सीट है। भाजपा ने दिल्ली गेट से भाजपा की पूर्व पार्षद प्रत्याशी और युवा नेता दीसि इंदौरा पर भरोसा जताया है। मटिया महल सीट पर आम आदमी पार्टी ने शोएब इकबाल पर भरोसा जाता है तो कांग्रेस ने असीम अहमद खान को टिकट दिया है।

वहीं सीलमपुर में भी मुस्लिम वोटर्स ही हार जीत तय करते हैं। इस सीट पर अभी तक सिर्फ मुस्लिम उम्मीदवारों को ही जीत मिली है। लेकिन भाजपा ने एक बार फिर हिंदू चेहरे पर दांव लगाया है। भाजपा ने अनिल गौड़ को टिकट दिया है। अनिल गौड़ मौजपुर से निगम पार्षद हैं। आप ने यहां से चौधरी जुबैर अहमद को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने आप के बागी विधायक अब्दुल रहमान को उतारा है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या जुबैर और अब्दुल रहमान के बीच अधिक से अधिक मुस्लिम वोटर्स को पाने की जंग का फायदा अनिल गौड़ उठा पाएंगे?

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को देनी होगी राहत

प्रहलाद सबनानी

भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है।

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहिना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014-15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दशार्ता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई पी एफ ओ) से भी जुड़े हैं।

यदि किसी देश में मुद्रा स्फीति की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्फीति में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर है। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्फीति की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए। बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में कमी की घोषणा द्वारा भी मध्यमवर्गीय परिवारों को कुछ हद तक राहत पहुंचाई जा सकती है। ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा ऋण खातों में जमा की जाने वाली मासिक किस्त की राशि में कमी होती है और उनकी खर्च करने की क्षमता में कुछ हद तक सुधार होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में यदि उक्त उपाय नहीं किया जाते हैं तो बहुत सम्भव है कि यह मध्यमवर्गीय परिवार एक बार पुनः कहीं गरीबी रेखा के नीचे नहीं खिसक जाय। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए।

संपादकीय

चुनौती है बड़ी

डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन देश के लिए चुनौती बने हुए हैं, और इनको लेकर सख्त कदम उठाने होंगे। नई दिल्ली में 'मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्र मादक पदार्थ की तस्करी देशके अंदर या बाहर कतई नहीं होने देगा। कहा कि सरकार ने न केवल मादक पदार्थों के कई नेटवर्क को खत्म करने में सफलता पाई है, बल्कि उनसे जुड़े. आतंकवाद को भी नेस्तानाबूद किया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश में नार्को-आतंकवाद के कईमामलों का भंड़ाफोड. किया गया है और ये बड़ी उपलब्धियां हैं।

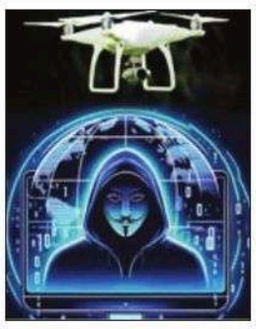

बेशक, केंद्र और राज्य सरकार की कानून प्रवर्तन एजेंसियां चाक-चौबंदी से नशे के काले का धंधे पर जोरदार प्रहार कर रही हैं, लेकिन यह भी सच है कि ड़ार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी, ऑनलाइन मार्केटप्लेस, ड्रोन का इस्तेमाल आज भी हमारे लिए चुनौती बने हुए हैं। ड़ार्क वेब इंटरनेट के उस गुप्त हिस्से को संदर्भित करता है, जिस तक केवल विशेष सॉफ्टवेयर और टूल के जरिएही पहुंचा जा सकता है। जहां तक क्रिप्टोकरेंसी की बात है, तो यह एक आभासी मुद्रा है, जो भारत में नियमित नहीं है। इसके जरिए लेन देन पर निगरानी रखने में एजेंसियों को खासी दिक्कत दरपेश रहती हैं।अलबत्ता, ड्रोन के जरिए सीमा पार से भारतीय सीमा में नशीले पदार्थ में ड्रॉप किए जाने के तरीके पर खासी हद तक लगाम कसमें भारतीय सुरक्षा बल सफल हुए हैं। बहरहाल, नशीले पदार्थों की तस्करी संबंधी कार्यकलाप देश की सुरक्षा और विकास के लिएखासा खतरा हैं और राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और तकनीशियनों को अपने संयुक्त प्रयासों से इन चुनौतियों से पार पाना होगा। इसके लिए तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जाना जरूरी है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि सरकार के स्तर पर इच्छाशक्ति होना बेहद जरूरी है। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई को नईताकत मिली है। इसी का नतीजा है कि बीते दस वर्षों में मादक पदार्थ की जब्ती में सात गुना वृद्धि हुई है, और मोदी सरकार ने बारंबार संकल्प दोहराया है कि मादक पदार्थ के सूमचे तंत्र को उखाड़ फेकेगी। इसके लिए 8 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मादक पदार्थों के तस्करी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। प्रयासों के नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि नशामुक्त भारत अभियान में तेजी लाई जाए। नशे के व्यसन से मुक्त समाज ही सबसे बड़ा सुरक्षा उपाय है।

चिंतन-मनन

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की भर्त्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। 'मै हं' ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। 'मै हं' का भाव ही अहंकार है लेकिन जब 'मै हं' भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा।

जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए। जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बूढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

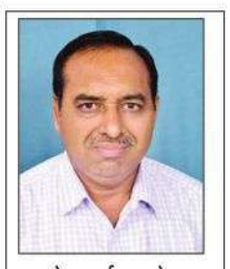

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ. एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोडकर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं। मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है।

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है।

गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व

धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगाा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेगें। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

प्रवासी सम्मेलनः कई मायनों में रहा अहम

गिरीश चन्द्र पाण्ड़े

इस बार 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन 8-10 जनवरी, 2025 तक ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी में किया गया। भुवनेश्वर में संपन्न इस 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 75 देशों से लगभग छह हजार भारतवंशियों ने शिरकत की। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने इस मौके पर लैंगिक समानता और महिला विकास को भारत की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अभिन्न अंग बताया। उनका यह कहना भी सही था कि ओडिशा में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की मेजबानी केंद्र सरकार की 'पूर्वोदय' नीति को दशार्ती शार्ती है, जो पूर्वी भारत के विकास और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करती है। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन केंद्र सरकार का महत्त्वकपूर्ण कार्यक्रम है, जिसे 9 जनवरी को महात्मा गांधी के 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

दरअसल, प्रवासी भारतीय सम्मेलन की अवधारणा पूर्व प्राधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मस्तिष्क की उपज थी जिसकी शुरू आत उन्होंने 17 वर्ष पहले की थी। वाजपेयी को उस वक्त प्रवासी भारतीयों की बहुत याद आई जब 1998 में पोखरण में परमाणु विस्फोट के बाद अमेरिका और उसके साथी देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इस मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से अनुरोध किया कि वह भारत की मदद करें ताकि भारत को अमेरिका और उसके साथी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का कम से कम असर पड़े। वाजपेयी का यह संदेश राजदूतावासों और उच्चायोग के माध्यम से प्रवासी भारतीयों तक पहुंचाया गया। परिणाम यह हुआ कि भारत के कोष विदेशी मुद्रा से भर गए। गौर करने योग्य है कि भारत 2010 (53.48 बिलियन डॉलर), 2015 (68.91 बिलियन डॉलर) और 2020 (83.15 बिलियन डॉलर) में प्रेषण प्राप्त करने वाला शीर्ष देश था। विश्व प्रवासन रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में भारत को 111 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रेषण प्राप्त हुआ जो विश्व में सबसे अधिक है और इस प्रकार भारत 100 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला पहला देश बन गया था। इस बार के सम्मेलन का विषय था- 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान'। राज्य सरकार ने युवा कार्य एवं खेलकूद मंत्रालय के सहयोग से आयोजन किया था। सम्मेलन की खास बात त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रपति क्रिस्टीनन कार्ला कैंगलू की मौजूदगी रही जिन्होंने सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में अन्य बातों के साथ-साथ तीन महत्त्वपूर्ण बातें कहीं। पहली, भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में निहित है। दूसरी, भारत लोकतंत्र की जननी ही नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा है। तीसरी, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों की निर्णायक भूमिका है। भारत की विभिन्न क्षेत्रों में चहुंमुखी विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए मोदी का कहना था कि आज भारत मेड इन इंडिया फाइटर जैट बना रहा है। ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहा है और वो दिन भी दूर नहीं जब मेन इन इंडिया प्लेन से ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाने भारत आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्म ने समापन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान भी प्रदान किया। सऊदी अरब के भारतीय चिकित्सक डॉ. सैयद अनवर खुर्शीद को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।

यह भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। निस्संदेह प्रवासी भारतीय सम्मेलन से जहां भारत और प्रवासी समुदाय के बीच साझा पहचान को बढ़ावा मिलता है, वहीं उनमें आपसी सम्बन्ध मजबूत बनते हैं, और वे अपनी माटी से जुड़ कर गौरव अनुभव भी करते हैं, लेकिन इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास जरूरी हैं। किसी भी तरह

श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान करने की जरूरत है। यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि भारतीय कामगारों के लिए सुरक्षित-व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके। यह समावेशी विकास की पहली शर्त भी है। सरकार के अलावा हर भारतीय का भी नैतिक दायित्व बनता है कि विदेशों में कामगारों के हितों की रक्षा के साथ ही भारत में रह रहे उनके परिवारों का भी विशेष ख्याल रखा जाए जिससे उनका देश के प्रति लगाव और गहरा हो सके। फिलहाल जो हालात हैं, उनमें वैश्विक श्रम की गतिशीलता भारत की आर्थिक कूटनीति की प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत के हितों की रक्षा की जानी चाहिए जहां संरक्षणवाद तेजी से बढ़ रहा है।

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं? खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने

परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5'3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।

कैंसर के इलाज के बीच सीरीज करने पर बोलीं हिना खान

एक्ट्रेस हिना खान उर्फ शेर खान टीवी, फिल्म में मजबूत किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। अपनी अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेत्री असल जिंदगी में भी एक फाइटर हैं। इन दिनों वह कैंसर जैसी बीमारी से जंग लड़ रही हैं। इसके अलावा अभिनेत्री गृह लक्ष्मी सीरीज में भी नजर आने वाली हैं। अब हाल ही में, हिना ने कैंसर की बीमारी के इलाज के बीच काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

मजबूती से खड़ी हैं हिना खान

हिना खान को अपने थर्ड स्टेज कैंसर का पता चलने के बाद जल्द ही एक साल होने वाला है और अभिनेत्री का कहना है कि 2024 और 2025 के बीच का अंतर यह है कि वह केवल मजबूत हुई हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं अब भी वही हिना हूं। पुरानी हिना भी साहसी और मजबूत थी और यह हिना भी बहुत मजबूत और साहसी है और सच में अब वह बहुत मजबूत हो गई है।

बीमारी को कॉमन करने का किया पूरा प्रयास

हिना ने आगे कहा, मैंने अपनी इस पूरी जर्नी के दौरान काम किया है। मैंने कैंसर की बीमारी को कॉमन करने का पूरा प्रयास किया है। जब से मेरी कीमोथेरेपी शुरू हुई है तब से मैं काम कर रही हूं, शूटिंग कर रही हूं, यात्रा कर रहा हूं और डबिंग पूरी कर चुकी हूं। मैंने अपना रैंप वॉक किया। यही नहीं मैंने इंटरव्यूज तक दिए हैं। अगर मेरा शरीर अनुमति देता है, तो मैं काम करूंगी।

फैंस का किया शुक्रिया अदा

सोशल मीडिया पर फैंस के मिल रहे फैंस के प्यार को लेकर हिना ने कहा, मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि लोग इस तरह से प्रतिक्रिया देंगे या अपना प्यार बरसाएंगे। और, सिर्फ प्यार ही नहीं। जिस तरह से लोगों ने मेरे लिए प्रार्थना की। मैं सच में काफी इमोशनल हो गई थी।

बता दें कि गृह लक्ष्मी में हिना के अलावा चंकी पांडे, दिब्येंदु भट्टाचार्य, राहुल देव, हरीश, अभिषेक वर्मा, अंकित भाटिया और कुंज आनंद भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सात-एपिसोड की सीरीज रुमान किदवई द्वारा निर्देशित और कौशिक इजारदार द्वारा निर्मित है।

केआरके की आलोचना से परेशान उर्वशी, 'दबिड़ी दीबिड़ी' को वल्गर कहने पर बोलीं

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डाकू महाराज के गाने 'दबिड़ी दीबिड़ी' को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। सोशल मीडिया पर गाने के स्टेप्स की काफी आलोचना हो रही है। इसी क्रम में केआरके ने भी गाने के स्टेप्स को काफी वल्गर बताया था। अब उर्वशी रौतेला ने केआरके की ट्रोलिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

केआरके ने गाने को बताया था अश्लील

केआरके ने गाने को ट्रोल करते हुए कहा कि उर्वशी को ऐसे अश्लील डांस स्टेप्स करने के लिए शर्म आनी चाहिए। एक्स पर उनके पोस्ट में लिखा था, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को ऐसे अश्लील गाने शूट करने में शर्म नहीं आती? तो बेहतर है कि एडल्ट फिल्में बनाना शुरू कर दें। उर्वशी को भी ऐसे गाने करने के लिए शर्म आनी चाहिए।

उर्वशी ने दिया मुंहतोड़ जवाब

उर्वशी ने केआरके पर निशाना साधते हुए लिखा, यह दुख की बात है कि कुछ लोग जिन्होंने कुछ हासिल नहीं किया, वे उन लोगों की आलोचना करने के हकदार महसूस करते हैं, जो अपने काम को लेकर काफी मेहनत करते हैं। असली शक्ति दूसरों को गिराने में नहीं है, बल्कि उन्हें ऊपर उठाने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में है। सोशल मीडिया पर भी हुई थी आलोचना सोशल मीडिया पर लोगों ने इस जोड़ी के बीच उम्र के अंतर को लेकर भी आलोचना की है। 64 साल के अभिनेता-राजनेता एनबीके 30 साल की उर्वशी के साथ यह डांस कर रहे हैं। 'दबिड़ी दीबिड़ी' को शेखर मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है। निर्माताओं ने अभी तक आलोचना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस दिन होगी रिलीज

डाकू महाराज में बॉबी देओल, प्रज्ञा जयसवाल, श्रद्धा श्रीनाथ और चंदिनी चौधरी भी शामिल हैं। बॉबी कोल्ली की लिखित और निर्देशित यह फिल्म 12 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

मुझे पसंद नहीं कोई मुझे ज्यादा तवज्जो दे

'ग्रीक गॉड' के नाम से मशहूर अभिनेता ऋतिक रोशन आज अपने 51वें जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग डॉक्यूमेंट्री के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीवन से जुड़े कुछ अटपटे वाकयों का जिक्र किया। ये भी कहा कि उनको कोई ज्यादा तवज्जो दे ये पसंद नहीं। अभिनेता ने कहा, जब मैंने यह डॉक्यूमेंट्री देखी तो मैं बिल्कुल हैरान रह गया। इसे इतनी खूबसूरती से निर्देशित किया गया है। अभिनेता ने बताया कि वह अपने दादा से कभी नहीं मिले।

उन्होंने डॉक्यूमेंट्री को शानदार बताते हुए कहा, मुझे आश्चर्य है कि मुझे जादुई तरीके से उनसे बात करने का मौका मिलेगा। डॉक्यूमेंट्री देखने के बाद मैं वास्तव में उनसे उनके बचपन के बारे में पूछना चाहूंगा कि उन्होंने क्या-क्या झेला, मुझे आश्चर्य है कि वह मुझसे क्या पूछेंगे। मुझे लगता है कि वह मुझसे पूछ सकते हैं कि क्या मैं खुश हूं? अभिनेता ने साल 2000 में रिलीज हुई पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' को अपनी प्रेरणा बताया। अभिनेता ने कहा, मैं उनका शुक्रिया अदा करूंगा क्योंकि मैं अक्सर सोचता हूं कि जब मैं अपनी पहली फिल्म कर रहा था तो मेरे अंदर क्या प्रेरणा थी। वह क्या थी? यह कहां से आया? इसका सबसे आसान जवाब यह है कि यह पहले से ही मेरी जीन में था और यही आगे बढ़ता गया। ऋतिक रोशन को उनके आकर्षक लुक के कारण बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि उन्हें ध्यान आकर्षित करना पसंद नहीं है। अभिनेता ने कहा, जब मेरे डैड ने कहा कि वह यह डॉक्यूमेंट्री बनाना चाहते हैं, तो मुझे अजीब लग रहा था। मुझे ध्यान आकर्षित कराना पसंद नहीं है और फिर मुझे यह एहसास हुआ कि यह मेरे बारे में नहीं है। यह इतिहास के बारे में है और इतिहास महत्वपूर्ण है। यह मेरे पूर्वजों, मेरे मॉम-डैड, मेरे दादा, मेरे चाचा के बारे में है।

शाहरुख खान ने मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'चामुंडा' को ठुकराया

शाहरुख खान ने दिनेश विजान की फिल्म 'चामुंडा' का ऑफर ठुकरा दिया है। शाहरुख को 'चामुंडा' में मुख्य भूमिका की पेशकश की गई थी। कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि शाहरुख खान मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी का हिस्सा बनने जा रहे हैं। मैडॉक ने शाहरुख खान को जो सब्जेक्ट ऑफर किए थे, उनमें से एक 'चामुंडा' थी, जिसे 2026 में रिलीज किया जाना है। हालांकि, अब किंग खान ने इस फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया है। अमर कौशिक के निर्देशन में, मैडॉक शाहरुख खान को आलिया भट्ट के साथ 'चामुंडा' के लिए कास्ट करना चाहता था। हालांकि, चीजें उनके मुताबिक नहीं हुईं। एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया शाहरुख खान पहले से बने यूनिवर्स में शामिल नहीं होना चाहते थे। इसके बजाय मैडॉक और अमर कौशिक के साथ एक नई दुनिया शुरू करना चाहते थे।

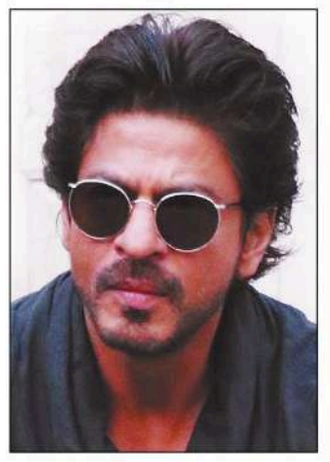

उन्होंने दोनों से कुछ नया लेकर आने और पहले कभी ना की गई शैली को तलाशने के लिए कहा है। दोनों अब 'चामुंडा' के लिए नए नाम की तलाश कर रहे हैं और कुछ सालों में शाहरुख खान के साथ मिलकर कुछ नया करने की उम्मीद है।

फिर से छाएगा आशिकी 2 जैसा जादू, क्या रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएंगे श्रद्धा कपूर-आदित्य?

श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड की सबसे मशहूर ऑनस्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं। उनकी फिल्में आशिकी 2 और ओके जानू ने उनकी जादुई रोमांटिक केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता। कथित तौर पर श्रद्धा और आदित्य एक रोमांटिक फिल्म के लिए फिर से साथ आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक बार फिर से श्रद्धा कपूर और आदित्या रॉय कपूर की रोमांटिक जोड़ी साथ नजर आ सकती है। जानकारी के अनुसार, दोनों स्टार्स मोहित सूरी की अगली फिल्म के लिए साथ आ सकते हैं। यह एक रोमांटिक फिल्म होगी। बहरहाल, मोहित सूरी और उनकी क्रिएटिव टीम द्वारा कहानी और स्क्रीनप्ले पर काम किया जा रहा है। हो सकता है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा भी की जा सकती है।

दर्शकों को पसंद है श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी

श्रद्धा और आदित्य के प्रशंसक उन्हें एक बार फिर किसी फिल्म में साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनके एक साथ पिछली फिल्मों की बात करें तो आशिकी 2 एक बड़ी सफलता थी। मोहित सूरी निर्देशित इस फिल्म को दर्शकों ने अपनी प्रेम कहानी, अभिनय और खास तौर पर संगीत के लिए पसंद किया था। इसके गाने आज भी लोकप्रिय हैं। 2017 में श्रद्धा और आदित्य ने रोमांटिक ड्रामा ओके जानू में भी काम किया है। शाद अली द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी नहीं चली, लेकिन श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी सभी को पसंद आई। श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। श्रद्धा को आखिरी बार हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 में देखा गया था।

वामिका ने भूत बंगला के लिए शुरू की शूटिंग

अभिनेत्री वामिका गब्बी अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। वामिका इस फिल्म की शूटिंग के लिए जयपुर पहुंच गई हैं। उन्होंने सेट से अपना पहला लुक भी साझा किया है। वामिका ने अपना चेहरा कवर कर रखा है।

साझा किए बीटीएस मोमेंट्स

पहले ही खबरें आ चुकी हैं कि वामिका अक्षय कुमार की भूत बंगला में नजर आने वाली हैं। सेट से अब वामिका ने अपने बीटीएस मोमेंट्स शेयर किए हैं। उन्होंने लिखा कि ये नहीं चाहते कि मैं अपना लुक नहीं दिखाउंगी।

फिल्म में नजर आएंगी तब्बू

जयपुर शेड्यूल में शहर के प्रतिष्ठित स्थानों पर कई आउटडोर शूटिंग शामिल होने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी।

साल 2026 में रिलीज होगी फिल्म

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित, भूत बंगला का निर्माण शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा किया गया है। फिल्म का सह-निर्माण फारा शेख और वेदांत बाली ने किया है। कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है और पटकथा रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन ने लिखी है। संवाद रोहन शंकर के हैं। भूत बंगला 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना रनौत ने बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों पर साधा निशाना

कंगना रनौत फिल्म इमरजेंसी में भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इजरजेंसी में कंगना ने अभिनय के साथ ही निर्देशन भी किया है। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड निर्देशकों पर अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि अगर इंडस्ट्री में अच्छे फिल्म निर्माता होते तो उन्हें अपनी फिल्मों का निर्देशन नहीं करना पड़ता।

कंगना ने बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों पर ताना कसते हुए कहा कि जिस तरह से वे महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं वह अत्याचारी है। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, उन्होंने साउथ की फिल्मों में महिला नायक को जिस तरह से दिखाया किया जाता है, उससे भी अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि वह उनकी जगह नहीं बनना चाहतीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, कंगना रनौत ने कहा, मैं अपने आस-पास के निर्देशकों से निराश हूं।अगर हमारे पास अच्छे निर्देशक होते, तो मुझे खुद निर्देशन करने की जरूरत नहीं पड़ती। यह किसी का अपमान करने के लिए नहीं है, लेकिन पूरी ईमानदारी से, अगर आपको लगता है कि कोई ड्रीम डायरेक्टर है ,जिसके साथ मैं काम करना चाहती हूं, तो ऐसा कोई नहीं है। कंगना ने आगे कहा पिछले पांच सालों से मेरा यही मामला रहा है। खासकर वे जो बड़ी फिल्में बना रहे हैं, जिनमें महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं, वह दूसरे स्तर पर अत्याचारी है। फिल्म इंडस्ट्री में एक भी ऐसा निर्देशक नहीं है जिसके साथ वह काम करना चाहती हों। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंगना ने इंटरव्यू में आगे कहा, चाहे क्वीन हो, तनु वेड्स मनु हो या फिर मेरे शुरुआती सालों में मैंने गैंगस्टर, फैशन जैसी फिल्में की हों। इन सभी फिल्मों में मेरे सभी निर्देशक नए थे। मैंने कभी किसी खान की फिल्म या यशराज की फिल्म में काम नहीं किया। कंगना ने कहा, मैं निर्देशकों, लेखकों से बहुत निराश रही हूं और मैंने सोचा बस अब बहुत हो गया। मैं कुछ करूंगी और खुद ही करूंगी। यह बहुत अच्छा रहा है।

जिगरा के फ्लॉप होने को एक सबक के तौर पर लिया

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर सकी थी। फिल्म के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी निर्देशक वसन बाला ने खुद ली थी। हालांकि, आलिया भट्ट के छोटे भाई का किरदार निभा रहे वेदांग रैना इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद बुरी तरह टूट गए थे। उन्होंने फिल्म को लेकर कहा कि ये कुछ ऐसा था, जिस पर मैंने बहुत विश्वास किया था।

एक इंटरव्यू में वेदांगा रैना ने कहा कि फिल्म जिगरा ने उन पर और उनके करियर पर बहुत असर डाला। उन्होंने पूरी टीम के प्रति अपनी सहानुभूति भी व्यक्त की, उनकी कड़ी मेहनत को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता को उन्होंने एक सीख की तरह लिया।

वेदांग रैना ने की करियर की बात

वेदांग ने कहा, जिगरा फिल्म के निर्माण के दौरान उनके पास कोई विशेष करियर योजना नहीं थी। उन्होंने इसे द आर्चीज के बाद एक महत्वपूर्ण अवसर माना और फिल्म के लिए अपना शानदार प्रदर्शन किया था।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267